

# सफेद मातृ

नॉर्बर्ट रोसिंग



कथा की 300एम थिंकबुक



एक देश है।

कनाडा।



एक बार मैं वहाँ था।

अपने कुत्तों के साथ।



A polar bear is shown in profile on the left side of the frame, looking towards the right. On the right side, a husky dog is also in profile, looking towards the left. The background is a clear, bright blue sky. The text is overlaid on the sky.

तभी ...

हमारे सामने थी एक सफेद भालू!  
मेरे कुत्ते डर गए।

सोचो फिर क्या हुआ ?





सफेद भालू...



एक दोस्त बनाना चाहती थी।





शफेद भालू मांस खाने वाले होते हैं।



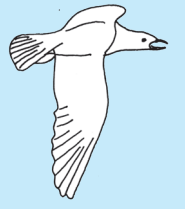
शील उनका परंपरिक भोजन है।



उनके पंजे छोटे होते हैं।



इनके दाँत बहुत मुकीले होते हैं।



इनके कान छूटे होते हैं।

शफेद भालू उत्कृष्ट शिकारी होते हैं।

ध्रुवीय भालू आर्कटिक के जमे हुए जंगलों में पाए जाते हैं।

फर के नीचे ध्रुवीय भालू की त्वचा काली होती है। यह सूर्य की गर्मी को अवशोषित करता है, और ध्रुवीय भालू गर्म रहता है।

ध्रुवीय भालू में सूघने की क्षमता बहुत तेज होती है। ये अपने शिकार को 16 किलोमीटर की दूर से भी सूंघ सकते हैं!

शावक अपनी मां के साथ 2 साल से अधिक समय तक रहते हैं।

एक वयस्क नर ध्रुवीय भालू का वजन 20 बच्चों (680 किलोग्राम) तक हो सकता है।

# शबरी बड़ी भालू

ये अपना अधिकांश समय बर्फ में बिताते हैं।



इनकी पूँछ ठूठनी होती है।





पेड़ों को काटने से  
जलवायु बदल रही है  
और आर्कटिक में समुद्री  
बर्फ पिघल रही है।

**सोचो!**

सफेद भालू हमारे दोस्त हैं।  
पर उनकी दुनिया छोटी हो  
रही है। क्यों?

**पूछो!**

हम सफेद भालुओं की मदद  
कैसे कर सकते हैं?

**शपंथ लो!**

बरबाद मत करो।  
चीजों को पूरी तरह से  
इस्तेमाल करो।  
सिर्फ जरूरत का सामान  
खरीदो।

**अब करो!**

अपने जानवर दोस्तों  
की देखभाल करो।

एक असाधारण और सुन्दर  
दोस्ती की कहानी।



नॉर्बर्ट रोसिंग एक फोटोग्राफर हैं। उन्हें पशुओं की तस्वीरें खींचना अच्छा लगता है।

## कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

“भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!”

– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ

“कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।”

– पेपेटाइगर्स

“कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।”

– टाइम आउट

“कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।”

– चार्ल्स लैट्री, द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग

८ (8) वें से १० (10) वें स्प्रेड कथा टीम की ओर से हैं



पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2017, 2021

लेखन कृति स्वामित्व © नॉर्बर्ट रोसिंग

फोटो कृति स्वामित्व © नॉर्बर्ट रोसिंग

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्वलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: [marketing@katha-org](mailto:marketing@katha-org)

वेबसाइट: [www-katha-org](http://www-katha-org) | [www-books-katha-org](http://www-books-katha-org)

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा। कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: [300m@katha-org](mailto:300m@katha-org) स्वयंसेवा के लिए: [volunteer@katha-org](mailto:volunteer@katha-org) पर हमें लिखें

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए [300m@katha-org](mailto:300m@katha-org) पर जाएँ।

